भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1189
11 फरवरी, 2025 को उत्तर के लिए

कौशल विकास कार्यक्रम

+1189. श्री यूसुफ पठान:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान पश्चिम बंगाल में मत्स्यपालन प्रशिक्षण और कौशल विकास संबंधी आयोजित कार्यक्रमों की संख्या कितनी है;

(ख) मत्स्यपालन की आधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित मत्स्यपालकों विशेषकर महिलाओं की संख्या कितनी है;

(ग) क्या सरकार की पश्चिम बंगाल में स्थानीय मछुआरों को सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षण पहलों को बढ़ावा देने की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) और (ख): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत मात्स्यिकी और जलीय कृषि में आधुनिक प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग सहित विभिन्न गतिविधियों के लिए मछुआरों और मत्स्य किसानों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम को 100% केंद्रीय अंश के साथ लागू कर रहा है। राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एनएफडीबी) को पीएमएमएसवाई के अंतर्गत मछुआरों और मत्स्य किसानों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। एनएफडीबी ने सूचित किया है कि पश्चिम बंगाल में 96 प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए और 2600 महिलाओं सहित 6460 लाभार्थियों को जलकृषि के विविध क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया, जैसे कि गहन (इनटेनसिव) मीठे पानी की जलकृषि, खारे पानी की जलकृषि, ठंडे पानी की जलकृषि, ओर्नामेंटल फिशरीज़, फिश प्रोसेसिंग और मारकेटिंग, विभिन्न प्रजातियों जैसे कि पंगेसियस, मुर्रेल, मागुर, सिंघी, पर्ल स्पॉट, तिलापिया, स्कैम्पी, झींगा और सीबास खेती की प्रजाति-विशिष्ट हैचरी/प्रजनन तकनीकें। इसके अलावा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय अंतर्देशीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफआरआई), बैरकपुर, कोलकाता में मात्स्यिकी और जलकृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में 300 महिलाओं ने भाग लिया।

(ग) और (घ): मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार एनएफडीबी के माध्यम से पश्चिम बंगाल सरकार और अन्य एजेंसियों जैसे आईसीएआर के मात्स्यिकी संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), मात्स्यिकी कॉलेज और विश्वविद्यालय और अन्य एजेंसियों को ग्रामीण मछुआरों, मत्स्य किसानों और मछुआरिनों सहित पश्चिम बंगाल के मछुआरों और मत्स्य किसानों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम के प्रस्तावों के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करेगा ।

*****